हरिद्वार, 8 जनवरी, 2025 पौष, शुक्ल, नवमी, 2081 विक्रम संवत

स्वदेश स्वाभिमान

R.N.I. No.: UTTHIN/2013/51354

www.swadeshswabhiman.com
www.facebook.com/swadeshswabhiman
https://twitter.com/swadeshsw

मासिक वर्ष 11 अंक 11 पृष्ठ 04 ₹ 3/-

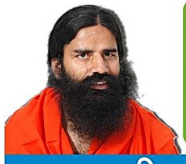

हमारा जीना व दुनिया से जाना दोनों ही गौरवपूर्ण होने चाहिए। 'कीर्तिर्यस्य स जीवति'। कायर व कमजोर होकर नहीं अपितु स्वाभिमान व आत्मज्ञान के साथ जीवन को जियो।

असम्भव को सम्भव करने की अपार क्षमता, सामर्थ्य व ऊर्जा तुम्हारे भीतर सान्निहित है। काल के भाल पर अपनी शक्ति, साहस व शौर्य से नया इतिहास लिखो।

गुरुवाणी

शाश्वत प्रज्ञा
हमारे सपनों का भारत

हमारे सपनों का भारत

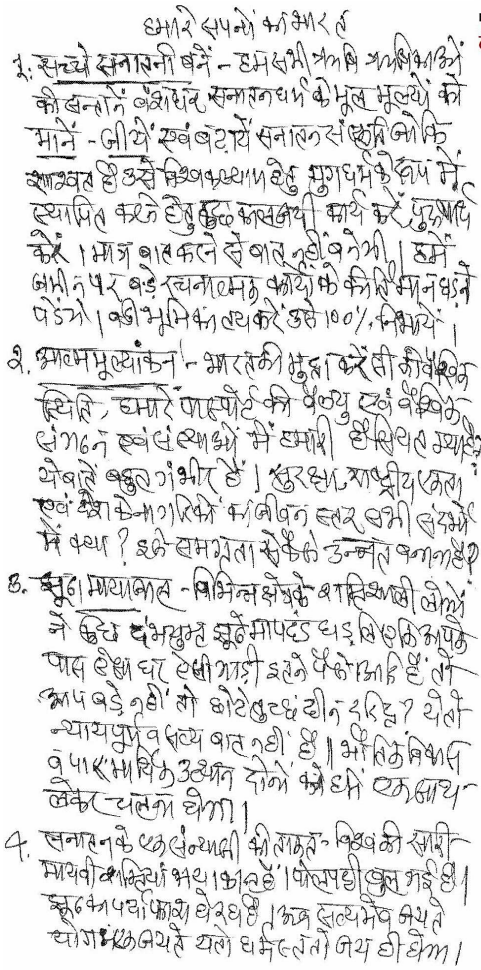

1. सच्चे सनातनी बनें - हम सभी भारतवासियों को चाहिए कि सनातन धर्म के मूल मूल्यों को मानें - जीयें एवं बचायें सनातन संस्कृति जो कि शाश्वत है उसे विश्वकल्याण हेतु युगधर्म के रूप में स्थापित करने हेतु हम समर्पित कार्य करें पुरुषार्थ करें। मात्र बात करने से बात नहीं बनेगी। हमें जमीन पर बड़े रचनात्मक कार्यों के किर्तिमान घड़ने पड़ेंगे। अपनी भूमिका तय करें उसे 100% निभायें।

2. आत्म मूल्यांकन - भारत की मुद्रा करेंसी की वैश्विक स्थिति, हमारे पासपोर्ट की वैल्यु एवं वैश्विक संगठन एवं संस्थाओं में हमारी पोजिशन क्या है? ये बातें बहुत गंभीर हैं। सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता एवं देश के नागरिकों का जीवन स्तर सभी संदर्भों में क्या? इसे समग्रता से कैसे उन्नत बनाना है?

3. सुख मायाजाल - विभिन्न क्षेत्रों के शक्तिशाली लोगों ने कुछ दंभयुक्त झूठे मापदंड घड़ लिये कि आपके पास ऐसा घर ऐसी गाड़ी इतने पैसे आदि हैं तो आप बड़े नहीं तो छोटे तुच्छ दीन दरिद्र? ये तो न्यायपूर्ण व सत्य बात नहीं है। भौतिक विकास व पारमार्थिक उत्थान दोनों को ही एक साथ लेकर चलना होगा।

4. सनातन के एक संन्यासी की ताकत - विश्व की सारी मायावी शक्तियां भयभीत हैं। पोलपट्टी खुल गई है। झूठ का पर्दाफाश हो रहा है। अब सत्यमेव जयते योगमेव जयते यतो धर्मस्ततो जय ही होगा।

आयुर्वेद अमृत

एजुकेशन फॉर लीडरशिप का शंखनाद

- राष्ट्रभक्त बुद्धिजीवियों को विश्व नेतृत्व के लिए तैयार करने की योजना

जब हम सतो गुण में स्थित होकर सात्विक प्रज्ञा के द्वारा प्रेम की पराकष्ठा में होते हैं, तब जो हमको अपना लगने लगता है हम स्वतः ही उससे अच्छी तरह से जुड़ जाते हैं। वर्तमान में हम इन्साइक्लोपीडिया ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री पर पूर्ण मनोयोग से एक बड़ा कार्य कर रहे हैं।

भारत के इतिहास को समझने के लिए हम भारत की विकृत हिस्ट्री से कभी समझ ही नहीं सकते। एक बड़े कालखण्ड तक हमें आर्य, आर्यन और दरविनियन आदि वर्गों में बाँटा गया। यह बहुत ही दिलचस्प बात है। कुछ लोग कहते हैं कि आर्यन बाहर से आये, यानि उनसे दूरी बना दी। जो जाति, जनजाति या अलग-अलग समाज के वर्ग निर्धारित हुए हैं, उसमें कहा जाता है कि कुछ बाहर से आये हैं और कुछ अन्दर के हैं, जिससे कि वे आपस में लड़ते रहें। यह प्रोपेगेन्डा इतनी प्लानिंग से किया गया कि हम सामान्य बुद्धि से इसे जान ही नहीं सकते। वो चतुराई से अपनी बात का प्रस्तुतिकरण इस प्रकार करेंगे कि आपको लगेगा कि यह बात तो सही है।

वर्ण व्यवस्था कर्म आधारित होनी चाहिए-

पतंजलि जन्म से जाति निर्धारण का पक्षधर नहीं है और हमारी संस्कृति में जन्म से जाति की व्यवस्था है भी नहीं। हमारी संस्कृति में कर्म को प्रधान माना गया है। हमारे शास्त्रों में लिखा है कि- जन्मना जायते शूद्रः कर्मणा द्विज उच्यते। अर्थात् जन्म के समय तो हम एक जैसे ही पैदा होते हैं और जन्म से सभी शूद्र होते हैं और कर्म के आधार पर ही ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य या शूद्र बनते हैं। इसी आधार पर पहले वर्ण व्यवस्था कर्म आधारित थी जो समय के प्रभाव में विकृत होकर जन्म आधारित हो गयी।

हमें इस व्यवस्था को पुनः कर्म आधारित करना है। हमारे यहां परम्परा को बनाने के लिए वर्ण व्यवस्था थी। वर्ण व्यवस्था में विकृति आ गई। विकृति आने से हम जाति में बंट गये, जाति में बंटे तो विदेशी आक्रान्ता हमारे समीप आ गए। उन्होंने पहले हमको बांटा, फिर दूसरे आयातीत धर्म, जो विदेशी

शेष पेज नं. 2 पर...

स्थापना दिवस : 30 वर्ष पूर्ण होने पर पतंजलि का संकल्प योग क्रांति के बाद अब पंच क्रांतियों का शंखनाद : प.पू.स्वामी जी

- आगामी 5 वर्षों में 5 लाख विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ने का लक्ष्य

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष प.पूज्य स्वामी जी महाराज व महामंत्री परम पूज्य आचार्य जी महाराज की उपस्थित में पतंजलि संस्थान का ३०वाँ स्थापना दिवस योगभवन सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में देशभर के पतंजलि योगपीठ संगठन के ६००० से अधिक प्रभारीगणों की उपस्थिति में प.पू.स्वामी जी महाराज ने विगत ३० वर्षों की सेवा, संघर्ष व साधना से परिचय कराया तथा पतंजलि योगपीठ की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग क्रांति की सफलता के बाद पंचक्रांतियों का शंखनाद करते हुए कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक, वैचारिक-सांस्कृतिक व रोगों-भोगों-ग्लानि-कुण्ठाओं से आजादी का बड़ा कार्य पतंजलि से प्रारंभ करना है।

पहली क्रांतिः शिक्षा की आजादी- उन्होंने कहा कि आज ५० से ६० और कहीं-कहीं तो ९९ प्रतिशत पढ़े-लिखे बेरोजगार, नशेड़ी, चरित्रहीन निस्तेज बच्चे तैयार हैं जिनका बचपन, यौवन और हमारा कुलवंश खतरे में है। हमनें यह तय किया है कि पहले भारतवर्ष में और फिर पूरी दुनियां में नई शिक्षा व्यवस्था का शंखनाद करेंगे और उसका नेतृत्व भारत करेगा। पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विवि और भारतीय शिक्षा बोर्ड अब नये प्रतिमान गढ़ेंगे। हमारा संकल्प है कि हम

शेष पेज नं. 3 पर...

उपलब्धियां : शिक्षा में सनातन, संस्कृतिक विरासत के साथ राजनीतिक व आर्थिक भाव जरुर हो : प.पूज्य स्वामी जी

- शिक्षा में अभिनव क्रांति और नई शिक्षा नीति (एनईपी) को सफल बनाना है।

चण्डीगढ़। योगर्षि परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि भारतीय शिक्षा में सनातन, भारत की समग्र सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक व विरासत आगे बढ़े, इसको लेकर वन नेशन-वन एजुकेशन जरूरी है। स्कूलों में विद्यार्थी इतिहास पढ़ें, मैथ में वैदिक मैथ और साइंस में वैदिक साइंस पढ़े इस सोच को लेकर पाठ्यक्रम तैयार होना चाहिए। परम पूज्य स्वामी जी महाराज फेडरेशन ऑफ प्राइवेट स्कूल, हरियाणा और निसा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 'स्कूल लीडर्स समिट-२०२४' में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए परम पूज्य स्वामी जी महाराज ने भारतीय शिक्षा बोर्ड को बढ़ावा देने की बात पर जोर देते हुए वन नेशन-वन एजुकेशन का नारा दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के दौरान विद्यार्थियों में भारत की एकता व अखडंता का भाव हो, इसको लेकर राष्ट्र धर्म, राष्ट्र प्रेम, राष्ट्रहित की सोच के तहत शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। वहीं उन्होंने मजबूत लोकपाल के संबंध को लेकर पूछे गए सवाल पर स्पष्ट किया कि मजबूत लोकपाल के लिए आज भी उनका संघर्ष जारी है। इस अवसर पर परम पूज्य स्वामी जी महाराज ने शिक्षा में अभिनव क्रांति और नई शिक्षा नीति (एनईपी) को सफल बनाने के लिए आवश्यक कदमों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर उनके साथ निसा के अध्यक्ष डॉ. कुलभूषण शर्मा और भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी निदेशक पूर्व आईएएस श्री नागेंद्र प्रसाद सिंह भी उपस्थित रहे। निसा के अध्यक्ष डॉ. कुलभूषण शर्मा ने कहा कि हरियाणा और दिल्ली एनसीआर में १०० मॉडल स्कूल बनाए जाएंगे और इन स्कूलों को निसा के क्वालिटी चार्टर से मैप करके सबसे पहले एक्सेस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इनकी जो भी कमियां निकलेगी, वह मिलकर दूर की जाएंगी, ताकि यह एक क्वालिटी स्कूल बन सके और पूरे देश के लिए एक मिसाल बन सके। उन्होंने कहा कि निसा मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के देश को विश्वगुरु बनाने के सपने को साकार करने में कदम से कदम मिलाकर मदद करेगी। डॉ. कुलभूषण शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न राज्यों जैसे हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र-प्रदेश आदि से बड़ी संख्या में स्कूल निदेशकों और पिसिपलों ने भाग लिया। इस आयोजन ने शिक्षा क्षेत्र में नवाचार, नेतृत्व और नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक अद्वितीय मंच प्रदान किया।

समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदलना जरूरीःनागेंद्र

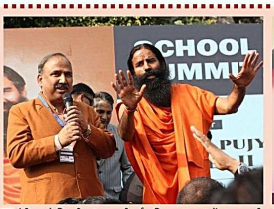

भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी निदेशक पूर्व, आईएएस श्री नागेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि समय के साथ शिक्षा का स्वरूप बदलना जरुरी है। आज के समय में शिक्षा का मतलब सिर्फ नौकरी पाना नहीं समझते है, जिस कारण छात्रों में अध्यक्षता और समर्थयता की कमी रह जाती है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड इस कमी को दूर करेगा। उन्होंने कहा यह समिट शिक्षा के भविष्य को नई दिशा देने, नीतिगत बदलावों पर विचार-विमर्श करने और स्कूल नेतृत्व को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

संस्थान समाचार

चंडीगढ़ दो दिवसीय 'स्कूल लीडर्स समिट-2024' में प.पू.स्वामी जी महाराज, डॉ.कुलभूषण शर्मा जी (निसा अध्यक्ष), डॉ.एन.पी.सिंह जी।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में परम पूज्य स्वामी जी महाराज एवं परम पूज्य आचार्य जी महाराज का सम्पूर्ण भारत से आये कार्यकर्ता भाई-बहनों को संगठन विस्तार हेतु मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद दिया।

पतंजलि विवि में 'भारतीय शिक्षा बोर्ड' के विस्तार हेतु प.पू.स्वामी जी महाराज, डॉ.एन.पी.सिंह जी, स्वामी प्रेम विवेकानन्द जी महाराज।

बूँखाल कालिंका देवी मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में प.पूज्य आचार्य जी महाराज, श्री धनसिंह रावत (कैबिनेट मंत्री) व श्रद्धालुगण।

10वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं एक्सपो उद्घाटन सत्र में श्री पुष्कर सिंह धामी जी, प.पू.आचार्य जी महाराज।

जोधपुर (राजस्थान) में प.पू.स्वामी जी महाराज, पू.डॉ.यशदेव शास्त्री जी, संत प्रेमहरि महाराज एवं साध्वी प्रेम वाईसा जी।

स्वामी श्रद्धानंद के 99वें बलिदान दिवस पर प.पू.स्वामी जी महाराज, श्री प्रेमचन्द अग्रवाल जी, अध्यापकगण व विद्यार्थीगण।

कोटद्वार (उत्तराखण्ड) में सिद्धबली धाम में प.पूज्य आचार्य जी महाराज ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

सम्मान समारोह : भारतीय ज्ञान परंपरा की संवाहक हैं भारतीय शिक्षा बोर्ड की हिंदी की पाठ्य पुस्तकें – प्रो. राम दरश मिश्र

- भारतीय शिक्षा बोर्ड की हिंदी की पाठ्य पुस्तकों की कक्षा-1 से 8 तक की शृंखला का विमोचन

साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, रवीन्द्र भवन के सभागार में आयोजित भारतीय शिक्षा बोर्ड की हिंदी की पाठ्य पुस्तकों के विमोचन एवं पतंजलि योगपीठ (ट्रस्ट) तथा भारतीय शिक्षा बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सम्मान समारोह में युग पुरुष प्रो. रामदरश मिश्र को 'पतंजलि शिक्षा गौरव सम्मान' प्रदान किया गया।

समारोह में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एन.पी. सिंह ने कहा कि प्रो.रामदरश मिश्र को सम्मानित कर पतंजलि योगपीठ एवं भारतीय शिक्षा बोर्ड स्वयं को सम्मानित कर रहा है। हम सौभाग्यशाली हैं जो ऐसे युग नायक को देख-सुन रहे हैं तथा आपके मार्गदर्शन में बोर्ड की हिंदी की पाठ्य पुस्तकें मूर्त रूप ले रही हैं।

प्रो. राम दरश मिश्र ने इस अवसर पर अपनी कुछ कविताओं का पाठ किया तथा कहा कि उनके दीर्घायु होने का रहस्य उनकी महत्वाकांक्षों से मुक्त जीवन शैली है। सम्मान समारोह के उपरांत भारतीय शिक्षा बोर्ड की हिंदी की पाठ्य पुस्तकों की कक्षा-१ से आठ तक की शृंखला का विमोचन सम्मानित सलाहकार मंडल एवं पाठ्य पुस्तक निर्माण समिति के करकमलों से हुआ। इस गौरवमयी बेला के साक्षी सुप्रसिद्ध साहित्यकार, पत्रकार, संपादक, शिक्षाविदों का समूह रहा। बोर्ड के सलाहकार मंडल के सदस्य क्रमशः प्रो.प्रमोद दुबे, डॉ. क्षमा शर्मा, श्री सूर्यनाथ सिंह, डॉ.ओम निश्चल व अन्य सम्मानितगण मंच पर

शेष पेज नं. 3 पर...

जनाक्रोश रैली : बांग्लादेशी हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में जनाक्रोश रैली में प.पू.स्वामी जी महाराज।

■ दुनिया की आधी आबादी तथा पूरा भारत देश आज बांग्लादेशी हिन्दुओं के साथ खड़ा है।

हरिद्वार। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट और उनके भागकर भारत आने के बाद से वहां हिंसा भड़की हुई है। सत्ता परिवर्तन के बाद अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर लगातार हमले किए जा रहे हैं बांग्लादेश के चटगांव इस्कॉन पुंडरीक धाम के अध्यक्ष चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं। चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के विरोध में हिन्दु समाज के लोग सड़कों पर उतर आए हैं। पूरे विश्व में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों का विरोध हो रहा है। इस अत्याचार का विरोध प्रदर्शित करने हेतु मानव अधिकार दिवस के अवसर पर हरिद्वार में ऋषिकुल मैदान से लेकर हर-की-पौड़ी तक जनाक्रोश रैली निकाली गई जिसमें संत समाज, हिन्दुवादी संगठनों तथा सनातनी जनसामान्य ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

■ भारत सरकार से बांग्लादेश पर राजनैतिक, कूटनीतिक तथा आर्थिक एक्शन लेने की अपील की।

भारत में एक तरफ जहाँ पूरा हिन्दु समाज बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार का विरोध कर रहा है वहीं योगर्षि परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने भी हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार का विरोध करते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर बड़ा हमला बोला है। जनाक्रोश रैली में हर-की-पौड़ी पर परम पूज्य स्वामी जी महाराज ने कहा कि दुनिया की आधी आबादी तथा पूरा भारत देश आज बांग्लादेशी हिन्दुओं के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को यह समझ लेना चाहिए कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार नहीं रूके तो इसके गम्भीर परिणाम होंगे। उन्होंने भारत सरकार से बांग्लादेश पर राजनैतिक, कूटनीतिक तथा सनातन के प्रति श्रद्धा रखने वाले पूरी दुनिया में ५०० करोड़ से ज्यादा लोग हैं। आस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, पूरा यूरोप, यू.के., यू.एस.ए., कनाडा से लेकर पूरी दुनिया में आज हिन्दू, हिन्दुत्व और सनातन के प्रति आस्था और विश्वास है। बांग्लादेश जैसा छोटा सा देश और उसमें कुछ ऐसे लोग जिनका कोई वजूद नहीं है, वे हिन्दुओं को डरा रहे हैं, उन पर जुल्म ज्यादतियाँ कर रहे हैं, हिन्दु माताओं, बहनों व बेटियों पर अत्याचार कर रहे हैं। हिन्दुओं के मंदिरों पर हमले कर हिन्दुओं की आस्था पर प्रहार कर रहे हैं। उनको यह समझ लेना चाहिए कि केवल हिन्दुस्तान ही नहीं पूरी दुनिया की आधे से ज्यादा आबादी बांग्लादेशी हिन्दुओं के साथ है।

परम पूज्य स्वामी जी महाराज ने कहा कि सरकार समेत सभी लोगों को पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। संत समाज, आरएसएस, विश्व हिन्दु परिषद् और इस देश के सभी राष्ट्रवादी लोग, हिन्दुवादी लोग व सनातनी बांग्लादेश के हिन्दुओं के साथ खड़े हैं। परम पूज्य स्वामी जी महाराज ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और उसके मुखिया मुहम्मद यूनुस को अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों की अनदेखी के लिए जिम्मेदार बताया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री आतंकवादियों से डरे हुए हैं। उनके सामने अमानवीय क्रूर कृत्य हो रहे हैं। इससे लगता है कि बांग्लादेशी प्रधानमंत्री अपने चरित्र से गिर गए हैं बांग्लादेश के कुछ जाहिल लोग हैं जिनका इस्लाम, कुरान और मुसलमान से कुछ लेना-देना नहीं है। वह लोग अपने खुद के मंसूबों की पूर्ति के लिए हिन्दुओं पर अत्याचार कर रहे हैं।

भारत को विश्वगुरु बनाने का संकल्प युवाओं को लेना है : आचार्य श्री

ABVP अधिवेशन : भारत की तरुणाई में देश का भविष्य : जगदीश

हरिद्वार। प्रेम नगर आश्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् उत्तराखण्ड के तीन दिवसीय २५वें अधिवेशन के शुरू होने की पूर्व संध्या पर प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर पतंजलि योगपीठ के महामंत्री परम पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने कहा कि उत्तराखण्ड का युवा जहां देश की सीमा में जाकर राष्ट्र की सेवा कर रहा है। वहीं, उत्तराखण्ड की मातृशक्ति गौरा देवी की तरह राष्ट्र को समृद्ध बनाने में अपना योगदान दे रही हैं। आज विश्व भारत की ओर देख रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का संकल्प युवाओं को लेना होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश व समाज की चुनौतियों से निपटने का कार्य युवाओं का है। इसमें परिषद् की अग्रणी भूमिका है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक प्रमुख (पश्चिम उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड) जगदीश ने कहा कि देश का भविष्य भारत की तरुणाई है। अगर भारत को जानना है तो विद्यार्थी परिषद् को जानना होगा। क्योंकि विद्यार्थी परिषद् का कार्यकर्ता रचनात्मक कार्यों के माध्यम से राष्ट्र व समाज को दिशा एवं दशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद् अनेक सेवा प्रकल्पों के माध्यम से विद्यार्थियों का समग्र विकास का कार्य कर रहा है। जिससे छात्र-छात्राएं राष्ट्र निर्माण में लगे हुए हैं।

इस मौके पर आईआईटी रुड़की के उपनिदेशक डॉ. उदय प्रताप सिंह, एबीवीपी के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मनोज नीखरा, क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री विपिन गुप्ता, प्रांत संगठन मंत्री आशीष सुंदरियाल, प्रांत मंत्री ऋषभ रावत, एबीवीपी हरिद्वार की नगर अध्यक्ष डॉ. संध्या वैद्य आदि मौजूद रहे।

»योग मनोयोग से होता है, सहयोग से नहीं : डॉ.मोहन यादव

योग शिविर : योग मार्ग पर सब चले, योग हमारे जीवन की बदलता है दिशा

भोपाल (मध्य प्रदेश)। हरिद्वार। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने प्रातःकाल उज्जैन में योगर्षि प. पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज के शिष्य डॉ. स्वामी परमार्थदेव जी महाराज के सान्निध्य में होमगार्ड मैदान में निःशुल्क (इंटीग्रेटेड) योग शिविर में शामिल होकर योग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी ने कहा कि योग मनोयोग से होता है, सहयोग से नहीं, योग मार्ग पर सब चले। योग हमारे जीवन की दिशा बदलता है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव जी ने योग करने के बाद संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि परमात्मा ने हमें जो मनुष्य देह दी है उसे सम्भालना आवश्यक है। हमारे देश में प्राचीन काल से ही योग का बड़ा महत्व रहा हैं। परम पूज्य स्वामी जी महाराज ने योग को हमारे देश में ही नहीं विदेशों में भी अत्यंत लोकप्रिय बनाया हैं। उन्होंने कहा कि २१ जून को योग दिवस और २१ दिसम्बर को ध्यान दिवस मनाया जायेगा। दोनों तिथियां उत्तरायण एवं दक्षिणायान के लिए महत्त्व रखती है। देश के प्रधानमंत्री मा.श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भौतिकवाद के साथ-साथ प्राचीन विरासत को सम्हालते हुए देश का निरंतर विकास हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जी ने कहा कि सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने जा रहा है। योग, कुविचार एवं कुरीतियों को खत्म करता है। विधाता ने जन्म दिया है तो सबकी मृत्यु का समय भी नियत किया है, इसलिए हमें अच्छे कार्य करना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने होमगार्ड जवानों के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि न्यूनतम साधन के बाद भी बेहतर काम किया जा रहा है। सबकी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। इस अवसर पर भारत स्वाभिमान के प्रांतीय प्रभारी श्री राजेन्द्र आर्य, होमगार्ड के जवान, एसडीआरएफ के जवान, उनके परिजन, सिविल डिफेन्स वालेंटियर, आपदा मित्र, अनेक समाजिक संगठन तथा वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

आयुर्वेद अमृत | संकल्प की शक्ति.....

....शेष पेज नं. 1 का

धर्म हैं उसे हम पर थोपना चाहा।

भारत का गौरवशाली इतिहास

भगवान श्री राम से लेकर महाभारत के कालखण्ड में १५ से २० हजार वर्ष की बात करें तो भारतवर्ष के इतिहास के विषय में लोग कहते हैं कि हमारे पास ५ हजार राजाओं की जानकारी है। लेकिन हमारे पास ७.५ हजार राजाओं की जानकारी है। उन ७.५ हजार राजाओं में कौन सा राजा किस जगह पर था, क्योंकि एक समय में बहुत सारे राजा थे, पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण, चारों दिशाओं में राजा थे। समुद्र से लेकर हिमालय तक का, जो हमारा पूरा भू-भाग था, इसमें कौन सा राजा कब हुआ एवं वह कहाँ का राजा था, इतनी गहराई में अभी हम काम कर रहे हैं। बहुत जल्दी समय आयेगा कि हम पूरी दुनियां को भारत के गौरवशाली इतिहास के दर्शन करायेंगे।

हम सभी एक पूर्वज की संतान–

बहुत बड़े स्तर पर बड़े समूह का डीएनए उनके पूर्वजों का अध्ययन करने के लिए किया गया। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि पूरब, पश्चिम व दक्षिण में जो जातियाँ व जनजातियाँ हैं, उन सबका डीएनए एक जैसा ही पाया गया। तो फिर भेद ही खत्म हो गया। फिर वो जो बाहर से आये थे, वे अलग कैसे हुए? हमें किसी विवाद में नहीं पडना है लेकिन जो हमारा इतिहास है, सत्य है, उसको जानने की हमें कोशिश करते रहना चाहिए।

देश के वास्तविक इतिहास को दुनिया के समक्ष रखेंगे

इतिहास में गड़बड़ी बताकर उसे इतना परिष्कृत कर दिया गया कि सब गड़बड़ हो गया। यदि पुराने दस्तावेजों के आधार पर देखें तो स्थिति और अधिक खराब है। पतंजलि के तत्वाधान में इतिहास लेखन का बड़ा कार्य किया जा रहा है। श्रद्धेय स्वामी जी के नेतृत्व में यह सारा सत्य हम बहुत जल्द पूरी दुनिया के समक्ष रखने वाले हैं।

हमें पीड़ा होती है कि षड्यंत्रकारी हमारे देश को बाँटने में लगे हुए हैं और हम सो रहे हैं। हमें जागना होगा। हमारे पास १४-१५ से १६ हजार साल पुराना ऑर्कोलॉजिकल एवीडेन्स व पूरे प्रमाण हैं। इतिहास व संस्कृति का पूरा डॉक्यूमेंटेशन है। हालांकि हम कहते हैं कि हम लाखों-करोड़ों वर्ष पुराने हैं, पर हम बात करते हैं १४-१५ हजार साल पहले की। हमारे पास ७ हजार से अधिक राजाओं की वशांवली व इतिहास है।

हमारी वर्ण व्यवस्था कर्म आधारित–

हमारे यहां कार्यों के विभाजन के आधार पर वर्ण व्यवस्था थी। उसके अनुसार यह सुनिश्चित नहीं था कि ब्राह्मण का बेटा ब्राह्मण या शूद्र का बेटा शूद्र बनेगा, यानि अपनी योग्यता के अनुसार अलग-अलग कार्य विभाजित था। समय के साथ-साथ इस व्यवस्था में कुछ विकृतियां पैदा हो गई और बाद में कहा गया कि स्त्री शूद्रोनादियताम् अर्थात् महिलाओं और छोटी जाति वालों को पढना मना कर दिया गया। हमारा पूरा इतिहास ऋषि-मुनियों की कथाओं से भरा पड़ा है, चाहे वह महर्षि वाल्मिकी हों, महर्षि विश्वामित्र हों या महर्षि जावल, ये सब अपने कर्म से पूज्य बने। आज भी हम मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम और योगेश्वर श्री कृष्ण को पूजते हैं। वो भी क्षत्रिय वंश में पैदा हुए थे।

पतंजलि में महिलाओं के साथ-साथ सभी धर्म व जातियों को समान अधिकार हैं। पतंजलि गुरुकुलम् तथा पतंजलि संन्यासाश्रम में महिलाओं व शूद्रों को समान रूप से वेद, पुराण, व्याकरण, श्रीमद्भगद्गीता आदि की शिक्षा दी जाती है।

मुगल काल में विकृत हुई वर्ण व्यवस्था–

प्राचीन काल में यह भेद वाली बातें कहीं भी नहीं दिखाई देंगी। यह बातें मुगलों के आगमन के बाद प्रारंभ हुईं। रोज लाखों लोगों का कत्ल कर देना, हमारे यज्ञोपवित व शिखाओं को काट देना मुगलों के शासन में आम हो गया था। बहुत से लोगों ने अपने प्राणों की रक्षा के लिए अपना धर्म तक बदल दिया। कई लोग अपना स्थान छोड़कर चले गये। तब से इस तरह की विकृतियाँ चली आ रही हैं। समाज की विकृतियों को ठीक करने का दायित्व भी हम लोगों का ही है।

हमारी संस्कृति संपूर्ण मानवता के लिए–

हमने कभी नहीं पूछा कि आप किस संस्था से जुड़े हो? आपका धर्म क्या है? आपकी जाति क्या है? हमारे यहाँ बहुत से मुस्लिम भाई और अलग-अलग धर्म व जाति के लोग हैं, वो सभी एक साथ मिलकर बैठते हैं, एक साथ खाते हैं। हमारे लिए मनुष्यता और मानव धर्म सर्वोपरि है। तो स्वाभाविक प्रश्न हम से किया जा सकता है कि आप सनातन और वैदिक परम्परा की बात क्यों करते हो? ऐसा हम इसलिए कहते हैं कि मानवीय मूल्यों की बात सिर्फसनातन में है। सनातन धर्म के ग्रन्थों में, वेद, उपनिषद्, दर्शन में कहीं पर भी मनुष्य में भेद नहीं किया गया है। यह हमारी संस्कृति ही है कि हम प्रतिदिन सुबह उठकर प्रार्थना करते हैं कि सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत्।। सर्वे भवतु में केवल मनुष्य मात्र ही नहीं अपितु पशु-पक्षी इत्यादि सब आते हैं। ये बातें और कहीं हैं क्या?

पतंजलि योगपीठ यही सिखाता है। हमने आपको बता दिया कि जिन्दगी क्या है, धर्म क्या है, सत्य धर्म क्या है, जीवन का रहस्य क्या है और जीवन का मकसद क्या है। हमारी जीवन की अनुकुलताएं, सकारात्मक सोच आदि सब भगवान की कृपा से हैं। ये सब हमारे शास्त्र में वर्णित हैं। आयुर्वेद भी शास्त्र है, ज्योतिष भी शास्त्र है, वास्तु भी शास्त्र है और सभी शास्त्र सृजन के लिए हैं। शास्त्र बहकाने के लिए नहीं होते। आयुर्वेद आपको सावधान कराता है, आयुर्वेद आपके दोष के सूक्ष्म और गहन विश्लेषण कराता है, वात-पित्त-कफ की स्थिति का बोध कराता है और जीवन को जागरूकता व चेतन्यता के साथ कैसे जीना है।

समाज, राष्ट्र व योग-आयुर्वेद के लिए कार्य करें–

जिस महामानव ने, जिस ऋषि ने सारी चुनौतियों का सामना करते हुए दुनियां को पहली बार यह कहा कि योग अपने आप में एक सम्पूर्ण चिकित्सा विज्ञान है, वे परम पूज्य स्वामी जी महाराज हैं। पतंजलि योगपीठ ही एकमात्र ऐसा संस्थान है जो आपको जीवन भी दे रहा है और आपको यह विद्या भी सिखा रहा है कि दूसरों को आप जीवन कैसे दे सकते हो। इसलिए अपनी परम्पराओं में रहना, अपनी परम्परा के अनुसार आचरण करना, सबके हित के विषय में सोचना, पर कभी भी धर्म विरूद्ध नहीं बनना। हमें कभी भ्रमित नहीं होना है। हमें समाज, राष्ट्र व योग-आयुर्वेद के लिए अपने शत-प्रतिशत सामर्थ्य से निरन्तर आगे बढना है।

» स्वामी श्रद्धानन्द गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली का उन्नायक

■ स्वामी श्रद्धानन्द के 99वें बलिदान पर्व पर निकली भव्य शोभा यात्रा

हरिद्वार। स्वामी श्रद्धानन्द के ९९वें बलिदान दिवस पर गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वामी श्रद्धानन्द को महान शिक्षाविद, देशभक्त एवं गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली का उन्नायक बताया। इस मौके पर परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज श्रद्धानन्द के प्रारम्भिक जीवन से लेकर महात्मा मुंशीराम और स्वामी श्रद्धानन्द बनने तक की जीवन यात्रा को अत्यंत रोचक और सारगर्भित रूप में बताया। उन्होंने कहा कि जिस लार्ड मैकाले की शिक्षा के विरुद्ध स्वामी श्रद्धानन्द ने गुरुकुल शिक्षा प्रणाली का बिगुल बजाया था आज उसकी प्रासंगिकता है। उन्होंने कहा कि केवल उनके जीवन को इस रूप में बदलने का श्रेय स्वामी श्रद्धानन्द और गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को जाता है। गुरुकुल कांगड़ी विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान यज्ञ और कुलपताका को फहराकर स्वामी श्रद्धानन्द को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमचन्द अग्रवाल जी ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द का बलिदान देश में हिंदुत्व की रक्षा का परिचायक है। उन्होंने अपना सर्वस्व समर्पित करके गुरुकुल की स्थापना की थी। उनके ९९वें बलिदान दिवस हमें देश की रक्षा के साथ-साथ मानवीयता का पाठ भी पढ़ाता है। उन्होंने स्वामी श्रद्धानन्द को युगपुरुष कहकर सम्मानित किया। मुख्याधिष्ठाता डॉ. दीनानाथ शर्मा ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द का यह तपोवन हमें त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। स्वामी श्रद्धानन्द ने अपना सर्वस्व समर्पित करके यह स्थान बनाया था। हमें सदैव इसकी रक्षा करनी चाहिए। संचालन कर रहे डॉ. योगेश शास्त्री ने परम पूज्य स्वामी जी महाराज और कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमचंद अग्रवाल से मांग की कि २३ दिसम्बर को पूरे उत्तराखण्ड के विद्यालयों में स्वामी श्रद्धानन्द के जीवन चरित्र को समझाकर, दिखाकर और पाठ्यक्रम में सम्मिलित कर अनिवार्य रूप से मनाया जाना चाहिए। चूंकि स्वामी श्रद्धानन्द देवभूमि की ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण देश की विभूति थे। उन्होंने स्वामी श्रद्धानन्द को भारत रत्न दिये जाने की मांग की। गुरुकुल के ब्रह्मचारियों ने धर्मेंद्र आर्य के निर्देशन में प्रस्तुत गीतों से सभी को आनंदित किया। इस अवसर पर स्वामी अग्न्यानंदी, पूर्व महापौर मनोज गर्ग, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विक्रम भुल्लर, रविकांत मलिक, प्रभात सिंह, रोहित वालियान, आशीष चौधरी, आदि मौजूद रहे। इससे पूर्व शोभा यात्रा निकाली गई। स्वामी श्रद्धानन्द चौक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम समाप्त हुआ।

■ स्वामी श्रद्धानन्द को भारत रत्न दिये जाने की मांग की, वह देवभूमि के ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण देश की विभूति थे : पू.स्वामी जी

प्रकाश पर्व : अपार साहस, त्याग और वीरता के प्रतीक थे गुरु गोविंद सिंह : डॉ. साध्वी देवप्रिया

हरिद्वार। गुरु गोविंद सिंह के प्रकाशपर्व के पावन अवसर पर विश्वविद्यालय में मानविकी एवं प्राच्यविद्या संकाय की ओर से गुरु कृतज्ञता पर्व का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलानुशासिका और मानविकी एवं प्राच्यविद्या संकाय की संकायाध्यक्ष डॉ. साध्वी देवप्रिया जी ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के शौर्य, बलिदान और संकल्पों को मनसा वाचा कर्मणा धारणा करके सनातन धर्म के गौरव को जन-जन तक पहुंचना है।

विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ. मयंक अग्रवाल ने गुरु गोविंद सिंह के साहस, शौर्य और वीरता को नमन करते हुए बताया कि गुरु ने भगवान के नाम जप का महत्त्व का बड़ा बखान किया है। गुरु की वाणी थी कि हमें सत्य, धर्म, अपनी संस्कृति संस्कार और न्याय के मार्ग पर चलना है। कार्यक्रम में चंद्रमोहन, डॉ. पूर्णिमा, दर्शन विभाग की छात्रा कल्पना, दान कौर, आर्यन, राहुल कक्कर, अभ्युदय और दर्शन और संस्कृत विभाग की छात्रा पुष्पिता और काजल ने अपने-अपने विचार रखे। संचालन संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य स्वामी आर्षदेव और डॉ. गौतम ने किया। इस मौके पर डॉ. सत्येन्द्र मित्तल, डॉ. केएनएस यादव, विभिन्न संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. वीके कटयार, प्रो. ओमनारायण तिवारी मौजूद रहे।

कार्यकर्ता बैठक : योग, आयुर्वेदिक एवं नेचुरोपैथी से असाध्य रोगों का निदान सम्भव : श्री राकेश कुमार जी

जालंधर। भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति की बैठक मुख्य केन्द्रीय प्रभारी आदरणीय श्री राकेश कुमार जी की अध्यक्षता में वात्सल्य योग ग्राम, टांडा रोड में सम्पन्न हुई जिसमें जिला जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर-१, मोगा के पदाधिकारी, योग शिक्षक एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस बैठक में विशेष अतिथि के रूप में चंदन ग्रेवाल, विजय गुलाटी, राजेश विज (महासचिव, श्री देवी तालाब मंदिर) उपस्थित हुए। आ.श्री राकेश कुमार जी ने कहा कि पूरे विश्व को स्वास्थ्य केवल योग द्वारा ही मिल सकता है तथा जिला स्तर पर संगठन कार्य विस्तार के लिए ३ से ५ दिवसीय योग शिविरों, सहयोग शिक्षक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

श्री राकेश कुमार जी ने कहा कि उन्होंने बताया कि योग, आयुर्वेदिक एवं नेचुरोपैथी से असाध्य रोगों का निदान संभव है तथा पतंजलि का अर्थ परमार्थ के लिए है व भारत माता की सेवा के लिए है। उन्होंने कहा कि योग को अब तहसील स्तर तक पहुंचाना है एवं जन-जन को योग, आयुर्वेद, स्वदेशी को अपनाना है। इस अवसर पर राज्य प्रभारी भारत स्वाभिमान श्री राजेंद्र शिंगारी, राज्य प्रभारी महिला पतंजलि योग समिति सीमा शिंगारी, राज्य कार्यकारिणी सदस्या किरण चड्ढ़ा, राज्य कार्यकारिणी सदस्य संजीव शर्मा, राज्य संवाद प्रभारी अनीता द्विवेदी, जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान ओमप्रकाश डोगरा, जिला प्रभारी युवा भारत अमरजीत सिंह, जिला संवाद प्रभारी जोगिंदर लाल, तहसील प्रभारी गुरबख्श मैदान, रजनीश किरण, साहिल, देवेंद्र सिंह एवं प्रत्येक जिले से आये कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

■ योग, आयुर्वेदिक एवं नेचुरोपैथी से असाध्य रोगों का निदान संभव है तथा पतंजलि का अर्थ परमार्थ के लिए है।

शैक्षणिक संगोष्ठी : स्वदेशी शिक्षा प्रणाली अपनायें युवा पीढ़ी।

■ युवाओं में प्राचीन भारतीय ज्ञान एवं परम्परा को आधुनिक शिक्षा में समावेश करना।

हरिद्वार। परम पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने युवा पीढ़ी में भारतीय मूल्यों और दृष्टिकोणों के समावेशन के साथ उन्हें वैश्विक नेतृत्व में बदलने हेतु स्वदेशी शिक्षा प्रणाली के नवीन आंदोलन में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया। यह बातें उन्होंने पतंजलि में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहीं।

हरिद्वार में आयोजित परिवर्तनकारी शैक्षणिक संगोष्ठी का समापन हो गया हो। यह संगोष्ठी पतंजलि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्राचीन भारतीय ज्ञान एवं परम्परा को आधुनिक शिक्षा में समावेश करना था। परम पूज्य आचार्य जी महाराज ने प्रतिभागियों को उनके विद्यालय प्रणाली में सांस्कृतिक लोकाचार को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने भाग लेने वाले संगठनों को बीएसबी के युवा पीढ़ी को भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संवेदनाओं में निहित करने के लक्ष्य में सह-यात्री बनने के लिए भी आमंत्रित किया। संगोष्ठी में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान, भारतीय शिक्षण मंडल, ईशा योग फाउंडेशन, रामकृष्ण मिशन शैक्षिक और शोध संस्थान जैसे कई प्रतिष्ठित संस्थानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक अंतर्दृष्टि को सुसंगत बनाने और पाठ्यक्रम में आधुनिक शैक्षणिक पद्धतियों के समावेशन पर चर्चा की गई।

भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ.एन.पी. सिंह ने कहा कि यह संगोष्ठी हमारे पारम्परिक ज्ञान और मानव मन के विकास की वैज्ञानिक समझ के साथ समकालीन शिक्षा प्रणाली को आकार देने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसा शैक्षिक परिस्थिति का तंत्र बनाने के लिए समर्पित हैं, जो न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता, बल्कि समग्र मानव विकास का पोषण करता है।

स्थापना दिवस : 30 वर्ष पूर्ण होने पर पतंजलि का संकल्प योग.... ...शेष पेज नं. 1 का

आगामी ५ वर्षों में ५ लाख विद्यालयों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ेगें। ये शिक्षा की अभिनव क्रांति होगी।

हमें बच्चों को केवल शब्दबोध नहीं कराना है, शब्दबोध के साथ विषयबोध, आत्मबोध, सत्यपरक भारतबोध व अपने गौरव का बोध कराना है। हम हिन्दी, अंग्रेजी व संस्कृत में पूरे विश्व की जानकारियों का समावेश करेंगे, पूरे विश्व के साथ अपडेट रखेंगे लेकिन उसमें भी ८० प्रतिशत कन्टेंट वेद, दर्शन, उपनिषद्, पुराणों व भारत के गौरव का होगा। उसमें अध्यात्म विद्या, सनातन बोध, भारत बोध होगा। यह मैकाले का एजुकेशन सिस्टम नहीं है। जब भारतीय शिक्षा बोर्ड से पहले एक लाख और बाद में ५ लाख स्कूल एफिलिएटिड हो जाएँगे तो भारत का बचपन और यौवन सुरक्षित हो जाएगा, यही शिक्षा की आजादी का संकल्प है। हम भारतीय शिक्षा बोर्ड के माध्यम से विदेशी आक्रमणकारियों, अकबर, औरंगजेब या अंग्रेजों की झूठी महानता नहीं बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज, महाराणा प्रताप व क्रांतिकारियों का सच्चा इतिहास पढ़ाएँगे।

दूसरी क्रांतिः चिकित्सा की आजादी- रोग हमारा स्वभाव नहीं, योग ही हमारा स्वभाव है। आज पूरी दुनिया में सिंथेटिक दवा, अलग-अलग प्रकार स्टेरॉयड, पेन किलर इत्यादि खा-खाकर लोगों के शरीर खराब हो रहे हैं। चिकित्सा की आजादी के लिए पतंजलि वैलनेस, योगग्राम, निरामयम्, चिकित्सालयों एवं आरोग्य केंद्रों से लेकर, आधुनिक रिसर्च के माध्यम से ऋषियों की विरासत और विज्ञान को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने ५००० से अधिक रिसर्च प्रोटोकॉल्स व ५०० से अधिक रिसर्च पेपर्स वर्ल्ड क्लास इंटरनेशनल जर्नल्स में पब्लिश करके असाध्य रोगों से मुक्ति का मार्ग दुनिया के सामने रखा है। हमारा संकल्प है कि हम लोगों को रोगी होने से बचायेंगे भी और रोग होने के बाद उन रोगों से योग-आयुर्वेद के माध्यम से लोगों को मुक्ति दिलाएँगे।

तीसरी क्रांतिः आर्थिक आजादी- आज पूरी दुनिया में कुछ चंद मुट्ठी भर लोगों ने अपने क्रूर पंजों में पूरे अर्थतंत्र को जकड़ रखा है। हमारा लक्ष्य है समृद्धि सेवा के लिए व अर्थ परमार्थ के लिए। अभी तक पतंजलि ने शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, चरित्र निर्माण, राष्ट्र निर्माण आदि में १ लाख करोड़ रुपए की चौरिटी की है। १० हजार से अधिक सेंटर्स के साथ २५ लाख से अधिक प्रशिक्षित योग शिक्षकों तथा १ करोड़ कार्यकर्ताओं की निःस्वार्थ सेवा से यह सब राष्ट्र निर्माण व चरित्र निर्माण का सेवा कार्य हो रहा है। हमारा संकल्प है कि स्वदेशी का आंदोलन इतना बड़ा खड़ा हो कि आर्थिक लूट, गुलामी और दरिद्रता से भारत निकले तभी भारत परम वैभवशाली बनेगा। बीपी, शुगर, थायरॉइड, अस्थमा, आर्थराइटिस, स्ट्रैस, डिप्रेशन, नींद आदि बीमारियों की गोलियाँ छुड़वाकर हम देश के प्रतिवर्ष १०० से २०० लाख करोड़ रुपए बचाते हैं।

चौथी क्रांतिः वैचारिक और सांस्कृतिक आजादी- जिस भारत ने पूरी दुनियां को सर्वप्रथम संस्कृत विश्वारा का संदेश दिया वो भारत यदि वैचारिक और सांस्कृतिक गुलामी से गुजरे तो ठीक नहीं। आज भारतवर्ष हर बात पर दुनिया के उन दरिद्र देशों पर निर्भर रहता है जिनके पास केवल चंद कागज के टुकड़े, चंद डॉलर्स या पाउण्ड्स हैं। सच्चा व असली धन केवल पैसा नहीं है अपितु अच्छा स्वास्थ्य, सुखी घर-परिवार व चरित्र, योगधन व दैवीय सम्पद ही सच्चा धन है। हमें वैचारिक और सांस्कृतिक गुलामी से भारत को मुक्ति दिलानी है। इसलिए हम कहते हैं कि हमें इस सनातन धर्म को, वेदधर्म को, ऋषिधर्म को, योगधर्म को युगधर्म के रूप में बढ़ाना है। दुनियां के ५०० करोड़ से ज्यादा लोग योग धर्म, सनातन धर्म में श्रद्धा रखते हैं। सब मिलकर साथ चलेंगे तो पूरी दुनिया से रिलिजियस टैरेरिजम, पॉलिटिकल टैरेरिजम और ये शिक्षा व चिकित्सा के नाम पर चल रहा आतंकवाद खत्म होगा।

पाँचवी क्रांतिः नशा, रोग-भोग वासनाओं से आजादी- दुनियां में चारों तरफ नशे का खतरनाक खेल चल रहा है। भारत में नशे के दलदल में धंसकर रोग, नशा व अश्लीलता में लोगों के जीवन तबाह हो रहा है। रोग, नशा, अश्लीलता से आजादी का हमारा संकल्प है। पतंजलि के ३० वर्ष पूर्ण होने पर यही है हमारा संकल्प है कि हम पूरे विश्व को योगमय बनायेंगे, चरित्र निर्माण करके आदर्श विश्व नागरिकों का निर्माण करेंगे।

स्थापना दिवस कार्यक्रम में परम पूज्य आचार्य जी महाराज ने कहा कि परम पूज्य स्वामी जी महाराज के अखंड प्रचंड पुरुषार्थ से पतंजलि का योगदान आज पूरी दुनिया को प्रेरणा दे रहा है। पतंजलि में लोगों को स्वास्थ्य देने के लिए अर्थ से परमार्थ का अभियान चलाया है। पतंजलि का १०० प्रतिशत प्राफिट केवल चौरिटी के लिए है। पतंजलि के लिए भारत एक बाजार नहीं बल्कि परिवार है। पतंजलि में ५०० से अधिक विश्वस्तरीय वैज्ञानिकों की टीम लगातार रिसर्च करके रोगानुसार विविध प्रकार के रस, क्वाथ, वटियाँ, कैप्सूल, व्हीट ग्रास, एलोवेरा जूस, आँवला जूस, नीम रस, गिलोय रस आदि रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड दवाइयाँ पूरी दुनिया को उपलब्ध करा रहे हैं। भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा को आधुनिक विज्ञान का प्रयोग करके जन-जन तक पहुँचाने का कार्य भी सर्वप्रथम पतंजलि ने ही किया है। आज पतंजलि ने दुनिया के २०० देशों में करोड़ों लोगों तक योग को गुफाओं व कन्दराओं से निकालकर जन-जन तक पहुँचाया है।

सम्मान समारोह : भारतीय ज्ञान परंपरा की संवाहक हैं भारतीय शिक्षा बोर्ड ....शेष पेज नं. 1 का

उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पाठ्य पुस्तकों की समन्वयक डॉ.सोनी पाण्डेय ने किया।

पाठ्य पुस्तकों के सलाहकार संपादक प्रो. प्रमोद कुमार दुबे एवं डॉ. ओम निश्चल जी ने पाठ्य पुस्तकों की विशेषता क्रमवार बताते हुए उपस्थित समूह से अनुरोध किया कि पाठ्य पुस्तकों का अवलोकन कर भावी पीढ़ी के विकासक्रम का उन्हें वाहक बनाएँ, क्योंकि यह न केवल भारतीय शिक्षा पद्धति की संवाहक है बल्कि स्वंय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ज्ञान गंगा का सम्मिलन करने वाली भारतीय ज्ञान परंपरा की समर्थ धाती हैं।

पतंजलि योग पीठ ट्रस्ट की प्रतिनिधि, पतंजलि विश्वविद्यालय की पूज्या डीन साध्वी देवप्रिया जी ने अपने वक्तव्य में सभी को इस श्रमसाध्य कार्य को पूर्ण करने हेतु शुभकामानाएं दीं तथा साथ ही स्वयं को इस पावन क्षण का साक्षी मानते हुए सौभाग्यशाली बताया। अंत में संस्था के सचिव श्री राजेश प्रताप सिंह जी ने सम्मानित सभागार एवं समृद्ध मंच के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भारतीय शिक्षा बोर्ड की पाठ्य पुस्तकों के विमोचन का आगाज है जो अब क्रमवार चलता रहेगा। उन्होंने उपस्थित जन समूह को अवगत कराते हुए कहा कि बोर्ड की कक्षा १ से ८वीं तक की पाठ्य पुस्तकों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है जिसे बोर्ड राष्ट्र के नवनिहालों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर राम दरश मिश्र के परिजन, विद्यार्थी तथा साहित्य अकादमी के उप सचिव डॉ. कुमार अनुपम, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की महिला पतंजलि योग समिति की प्रभारी सुश्री सविता तिवारी, डॉ. अमरेंद्र पाण्डेय, डॉ. वेद मिश्र शुक्ल, राज्य प्रभारी, भारत स्वाभिमान डॉ. परमिन्दर सिंह गुलिया, मानस मिश्रा, राघवेन्द्र सिंह के साथ-साथ दिल्ली एनसीआर के शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पतंजलि® प्रकृति का आशीर्वाद

पतंजलि वैलनेस में चिकित्सा हेतु तथा बुकिंग कराने हेतु सम्पर्क सूत्र

PATANJALI® wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

पतंजलि वैलनेस-पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार
Website : www.patanjaliwellness.com
Email ID : info@patanjaliwellness.com
Mobile No. : 8954666111

योगग्राम
Website : www.yoggram.divyayoga.com
Email ID : onlineyoggram@divyayoga.com
Mobile No. : 8954666222

निरामयम
Website : www.niramayam.divyayoga.com
Email ID : helpniramayam@divyayoga.com
Mobile No. : 8954666333

पतंजलि आयुर्वेद हॉस्पिटल
Website : www.divyayoga.com
Email ID : divyayoga@divyayoga.com/ patient.care@divyayoga.com
Mobile No. : 8954666444

पतंजलि वैलनेस-पतंजलि योगपीठ, मोदीनगर
Website : www.patanjaliwellness.com
Email ID : pwcmodinagar@patanjaliwellness.com
Mobile No. : 8954000777

पतंजलि वैलनेस-वेदालाइफ (निरामयम), ऋषिकेश
Website : www.vedalife.in
Email ID: vedalife@patanjaliwellness.com
Mobile No. : 8954666555

नोट : पंजीकरण के नाम पर झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले लोगों से सावधान रहें।

पतंजलि योगपीठ परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की मुख्य झलकियाँ

पतंजलि योगपीठ एवं दिव्य योग मंदिर के 30वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर परम पूज्य स्वामी जी महाराज ने सम्पूर्ण भारत से आये पतंजलि परिवार के कार्यकर्ता भाई-बहनों को शुभकामनायें एवं आशीर्वाद दिया।

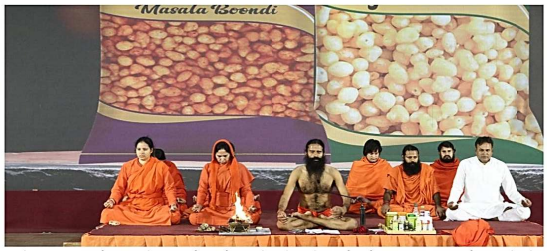

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में परम पूज्य स्वामी जी महाराज एवं परम पूज्य आचार्य जी महाराज ने सम्पूर्ण भारत से आये कार्यकर्ता भाई-बहनों को संगठन विस्तार हेतु मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद दिया।

जोधपुर (राजस्थान) में प.पूज्य स्वामी जी महाराज, पूज्य डॉ. यशदेव शास्त्री जी, संत प्रेमहरि महाराज एवं साध्वी प्रेम वाईसा जी द्वारा आंगणवा में सामूहिक विवाह के 51 जोड़ों को कुशल व मंगलमय जीवन का आशीर्वाद दिया।

हरिद्वार हरकीपैड़ी में परम पूज्य स्वामी जी महाराज, पूज्य संतगणों द्वारा बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और उसके मुखिया मुहम्मद यूनुस को अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचारों की अनदेखी के लिए जिम्मेदार बताया और 'विशाल आक्रोश सभा' की।

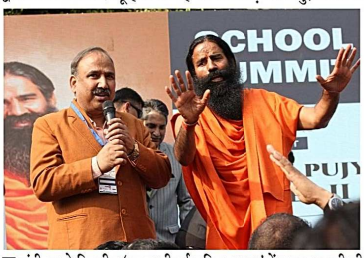

चंडीगढ़ दो दिवसीय 'स्कूल लीडर्स समिट-2024' में प.पूज्य स्वामी जी महाराज, डॉ. कुलभूषण शर्मा जी (निसा अध्यक्ष), डॉ.एन.पी.सिंह जी।

10वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं एक्सपो उद्घाटन सत्र में श्री पुष्कर सिंह धामी जी, प.पू.आचार्य श्री, श्री प्रताप राव जी (आयुष राज्य मंत्री)।

देहरादून में आयोजित देवभूमि की रजत जयंती के अवसर पर भारत एक्सप्रेस द्वारा Mega Conclave का आयोजन हुआ इस अवसर पर श्री पुष्कर सिंह धामी जी (मुख्यमंत्री, उत्तराखंड), श्री उपेंद्र राय जी (भारत एक्सप्रेस के Chairman) अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

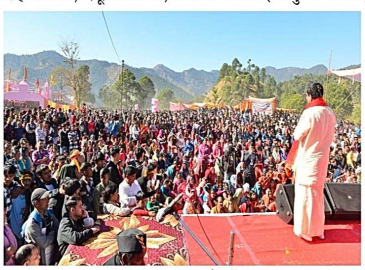

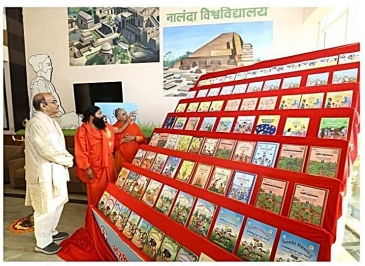

बूँखाल कालिंका देवी मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में परम पूज्य आचार्य जी महाराज, श्री धनसिंह रावत (कैबिनेट मंत्री) एवं श्रद्धालुगणों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर आशीर्वाद लिया।

पतंजलि विश्वविद्यालय में 'भारतीय शिक्षा बोर्ड' के विस्तार हेतु प.पूज्य स्वामी जी महाराज, डॉ. एन.पी.सिंह जी, स्वामी प्रेम विवेकानन्द जी महाराज (साधना केन्द्र आश्रम, डुमेट, देहरादून), पूज्या डॉ. साध्वी देवप्रिया जी एवं सम्पूर्ण भारत से आये गणमान्य प्राचार्यगण।

स्वामी श्रद्धानंद के 99वें बलिदान दिवस पर गुरुकुल कांगड़ी विवि में प.पू.स्वामी जी महाराज, कैबिनेट मंत्री श्री प्रेमचन्द अग्रवाल जी, अध्यापकगण व विद्यार्थीगण।

परम पूज्य स्वामी जी महाराज द्वारा पतंजलि मिष्ठान का किया गया वितरण।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में पूज्या साध्वी देवप्रिया जी (महिला मुख्य केन्द्रीय प्रभारी) द्वारा सम्पूर्ण भारत से आये कार्यकर्ता भाई-बहनों को संगठन विस्तार हेतु मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद दिया।

पटियाला, संगरूर, बठिंडा, जालंधर, अमृतसर (पंजाब), कोलकाता (प.बंगाल), चंद्रपुरा (झारखंड) मे योग, आयुर्वेद, स्वदेशी अपनाने हेतु आ.श्री राकेश कुमार जी (मुख्य केंद्रीय प्रभारी), श्री राजेन्द्र श्रृंगारी जी, स्वामी दिव्यदेव जी, श्री रामजीवन जी व समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा बैठक।

उज्जैन (मध्य प्रदेश) मे योग, आयुर्वेद, स्वदेशी एवं तहसील स्तर योग अपनाने हेतु स्वामी परमार्थदेव जी (मुख्य केंद्रीय प्रभारी), श्री मोहन यादव जी (मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश) श्री अरविंद जी, श्री समुंद्र सिंह जी व समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा योग शिविर व बैठक।

स्वामी, सम्पादन, प्रकाशक व मुद्रक राकेश द्वारा ऋषि ऑफसैट प्रिन्टर्स, वेद मंदिर, अशोक टॉकीज के सामने, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से छपवाकर 101, विद्या विहार कॉलोनी, कनखल, हरिद्वार-249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा।